हैं और स्थिति का लगातार प्रबोधन और समीक्षा करती हैं। जब भी जरूरी होता हैं तो आधुनिक हथियारों , अर्द्व सैन्य बलो की तैनाती और पुलिय बल के आधुनिकीकरण हेतु वित्तीय सहायता आदि के रूप में राज्य सरकारों को उचित सहायता दी जाती हैं।

पूर्वोत्तर में उग्रवादियों द्वारा मारे गए सीमा सुरक्षा बल के जवान

86. **श्री राम गोपाल यादव** :
श्री ईश दत्त यादव :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 30 जून, 1997 की स्थिति के अनुसार अर्थात् पिछले तीन महीनों में पूर्वोत्तर विशेषकर मणिपुर में उग्रवादियों द्वारा सीमा सुरक्षा बल के कितने जवान मारे गए

(ख) क्या सरकार उग्रवदियों द्वारा सीमा सुरक्षा बल के जवानों/ नागरिकों की हो रही हत्याओ के प्रति मूकदर्शक बनी रहेगी, यदि नही, तो सीमा सुरक्षा बल के जवानों सहित अन्य लोगों की हत्याओं को रोकने के लिए सरकार ने अब तक क्या कारगर कदम उठाए हैं

(ग) मई माह के तीसरे सप्ताह में मणिपुर मे उग्रवादियों द्वारा सीमा सुरक्षा बल के कितने जवान मारे गए और

(घ) सरकार ने उन मृत जवानों के परिवार के सदस्यों /आश्रितों के कल्याण हेतु क्या कदम उठाए हैं

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद मकबूल डार) : (क) पिछले तीन महीनों के दौरान केवल एक घटना हुई जिसमें सीमा सुरक्षा बल के 11 कार्निक मारे गए और तीन जख्मी हुए, जब उग्रावादियों द्वारा 21 मई, 1997 को सीमा सुरक्षा बल पार्टी पर घात लगा कर हमला किया गया।

(ख) उग्रवाद से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्यों की स्थिति पर केंद्र सरकार गहन निगरानी रख रही हैं और समय समय पर स्थिति की समीक्षा कर रही हैं। तदनुसार ही राज्य सरकारों को उपयुक्त रूप से सलाह दी जाती हैं और जब कभी आवश्यक होता हैं सेना और केन्द्रीय अर्ध सैनिक बलों की तैनाती के स्तरं मे बढ़ोत्तरी की जाती हैं। सीमा सुरक्षा बल पर घात लगा कर हमला करने के बाद, केन्द्र सरकार ने सीमा सुरक्षा बल प्राधिकारियों को उपयुक्त रूप से सलाह दी हैं कि घात लगा कर इस प्रकार के हमले की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सभी प्रभावी कदम उठाएं जाएं।

(ग) म्यारह।

(घ) विद्रोह विरोधी अभियानों में मारे गए सीमा सुरक्षा बल और अर्ध सैनिक कार्मिकों के नजदीकी रिश्तेदारों को उदार पेंशन अवार्ड और अनुग्रहपूर्वक अदायगी जैसी विभिन्न वित्तीय सहायता दी जाती है।

Border Skirmishes with Pakistani Troops

87. SHRI VED PRAKASH P. GOYAL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the recent border skirmishes with Pakis tani troops in the Western Sector of the country;

(b) if so, what effective/preventive steps Government have taken so far;

(c) whether Government have also taken into consideration the frequent border skirmishes in Kargil and other sectors during the bilateral talks with Pakistani representatives;

(d) the position/status of fencing the border and what percentage has been covered: and

(e) by when the remaining portion and other sectors, where skirmishes and infiltration often takes place, is expected to be covered?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI MOHD. MAQBOOL DAR): (a) Yes, Sir. The Government are aware of the border skirmishes with Pakistani troops on Indian Posts on Jammu International Border. However, no,such incident on Punjab, Rajasthan and Gujarat borders has been reported.

(b) On Jammu border, 3 additional battallions of BSF have been provided for border deployment to counter Pak ac-I tivities.